

सत्यानाशी वि. (तत्.) 1. सर्वनाश करने वाला, भाग्यहीन 2. धन-सम्पत्ति या किसी काम को बुरी तरह बिगाड़ देने वाला **स्त्री.** भड़भाड़ नाम का कंटीला पौधा।

सत्र पुं. (तत्.) 1. यज्ञ, होम यज्ञ 2. सौ दिनों में पूरा होने वाला एक प्रकार का सोमयज्ञ 3. उदारता 4. पुण्य 5. धर्म 6. घर, मकान 7. वस्त्र 8. धन-संपत्ति 9. वह स्थान जहाँ गरीबों को भोजन दिया जाता हो, आश्रयस्थान 10. दो बड़े अवकाशों के मध्य किसी संस्था का लगातार चलने वाला कार्यकाल 11. शिक्षा संस्थाओं में शिक्षण का एक कार्यकाल 12. संस्था, सभा आदि की निरंतर नियमित रूप से कुछ समय तक होने वाली बैठक या अधिवेशन। session

सत्र न्यायालय पुं. (तत्.) किसी जिले के जज का वह न्यायालय जिसमें कुछ विशिष्ट अपराधों पर विचार होता है और जिसमें किसी मुकदमे का आरंभ होने पर उसका विचार और सुनवाई तब तक चलती रहती है जब तक उसका निर्णय नहीं हो जाता, दंड विधि के मामलों का विचार करने वाला जिला स्तर का न्यायालय। Session court

सत्रप वि. (तत्.) 1. लज्जाशील, संकोची 2. विनम्र।

सत्रह पुं. (तत्.) दस से सात अधिक की संख्या, (17)।

सत्राजित पुं. (तत्.) सत्यभामा का पिता, शत्राजित।

सत्राजिती स्त्री. (तत्.) सत्राजित की पुत्री सत्यभामा।

सत्रायण पुं. (तत्.) यज्ञों का लगातार चलने वाला क्रम।

सत्रावसन पुं. (तत्.) विधानमंडल या संसद के सर्वप्रधान अधिकारी के द्वारा अनिश्चित और दीर्घ काल के लिए किया जाने वाला स्थगन progetion

सत्रि पुं. (तत्.) 1. हाथी 2. बादल, मेघ 3. हुत यज्ञ करने वाला।

सत्री पुं. (तत्.) 1. यज्ञकर्ता 2. विदेश में स्थित। राजदूत 3. यज्ञ का निरीक्षण करने वाला 4. ब्रह्मा।

सत्त्व पुं. (तत्.) 1. अस्तित्व, सहजात 2. स्वभाव, धर्म, गुण 3. प्राणवायु 4. सार, मूल तत्त्व 5. प्राणी, जीवधारी 6. प्रेत 7. सत्य, यथार्थता 8. शक्ति, जीवशक्ति 9. प्रकृति के तीन गुणों में से एक-सत्त्वगुण, रजोगुण, तमोगुण।

सत्त्वगुण पुं. (तत्.) 1. प्रकृति के तीन गुणों में से एक 2. विशुद्धता का गुण।

सत्त्वर वि. (तत्.) तेज, फुर्तीला, शीघ्रगामी, तीव्रगामी अव्य. शीघ्र, जल्दी, तुरंत।

सत्संग पुं. (तत्.) 1. अच्छे व्यक्तियों का साथ, अच्छी संगति 2. साधु-महात्मा या धर्मनिष्ठ व्यक्ति के साथ धर्म संबंधी चर्चा करना।

सत्संगति स्त्री. (तत्.) अच्छे व्यक्तियों का साथ।

सत्संगी वि. (तत्.) 1. अच्छी संगति में रहने वाला 2. मेल-जोल रखने वाला 3. धर्मनिष्ठ साधु-महात्माओं के साथ धर्म-चर्चा करने वाला।

सत्समागम पुं. (तत्.) अच्छे व्यक्तियों का साथ, संसर्ग, सत्संग।

सत्सार पुं. (तत्.) 1. जो रसदार हो 2. एक प्रकार का पौधा 3. चित्रकार 4. कवि।

सथिया पुं. (तत्.) 1. दीवार, कलश आदि पर अंकित किया जाने वाला एक मांगलिक चिह्न, स्वास्तिक 2. अस्त्र-चिकित्सक, भारतीय ढंग से चीर-फाड़ करने वाला 3. साँझी नामक लोक-कला का वह प्रकार या रूप जो गुजरात में प्रचलित है 4. जुलाहों के काम की बाँस या सरकंडे की पतली छड़ी।

सदंजन पुं. (तत्.) एक अंजन जो पीतल की भस्म से तैयार किया जाता है, कुसुमांजन।

सदंशक पुं. (तत्.) केकड़ा।

सद पुं. (तत्.) 1. सभा, समिति, मंडली 2. धृतराष्ट्र का एक पुत्र 3. यज्ञशाला में बनाया जाने वाला एक प्रकार छोटा मंडप 4. वृक्ष का फल 5. धृतराष्ट्र का एक पुत्र अव्य. तत्क्षण, तुरंत, तत्काल **वि.** नवीन, नया, ताजा **स्त्री.** स्वभाव, आदत, प्रकृति।